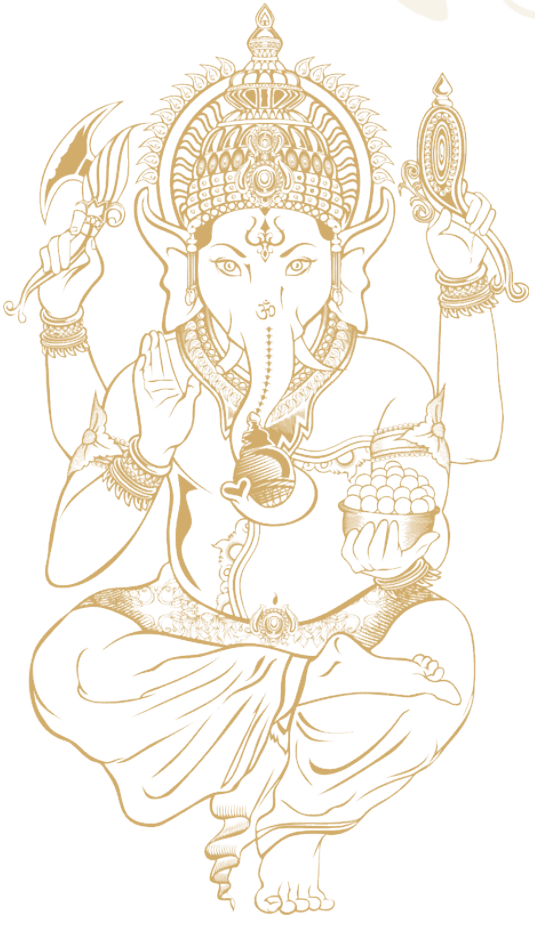

# Mr.Yash

# Ms.Sakshi Mihani

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119550806

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 17-18/02/2001 | जन्म तिथि | 17/01/2002 |
| शनि-रविवार | दिन | गुरुवार |
| घंटे 01:10:00 | जन्म समय | 20:38:00 घंटे |
| घटी 46:14:49 | जन्म समय(घटी) | 34:22:54 घटी |
| India | देश | India |
| Katni | स्थान | Hoshangabad |
| 23:47:00 उत्तर | अक्षांश | 22:44:00 उत्तर |
| 80:29:00 पूर्व | रेखांश | 77:45:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:08:04 | स्थानिक संस्कार | -00:19:00 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 06:40:04 | सूर्योदय | 07:01:53 |
| 18:04:56 | सूर्यास्त | 17:56:23 |
| 23:52:07 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:52:52 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| केतु 4वर्ष 1मा 14दि | 11:32:04 | वृश्चि | लग्न | सिंह | 10:05:52 | राहु 1वर्ष 10मा 17दि |
| सूर्य | 05:20:30 | कुंभ | सूर्य | मक | 03:27:01 | शनि |
| 04/04/2025 | 05:28:44 | धनु | चंद्र | कुंभ | 18:36:22 | 06/12/2019 |
| 04/04/2031 | 07:41:09 | वृश्चि | मंगल | मीन | 05:09:15 | 05/12/2038 |
| सूर्य 22/07/2025 | 25:13:27 | मक व | बुध | मक | 20:27:36 | शनि 09/12/2022 |
| चन्द्र 21/01/2026 | 08:14:19 | वृष | गुरु व | मिथु | 14:36:33 | बुध 18/08/2025 |
| मंगल 29/05/2026 | 17:22:59 | मीन | शुक्र | मक | 04:12:11 | केतु 26/09/2026 |
| राहु 22/04/2027 | 00:43:11 | वृष | शनि व | वृष | 14:34:35 | शुक्र 26/11/2029 |
| गुरु 09/02/2028 | 20:53:32 | मिथु | राहु व | मिथु | 02:52:45 | सूर्य 08/11/2030 |
| शनि 21/01/2029 | 20:53:32 | धनु | केतु व | धनु | 02:52:45 | चन्द्र 08/06/2032 |
| बुध 27/11/2029 | 27:25:46 | मक | हर्ष | मक | 29:24:39 | मंगल 18/07/2033 |
| केतु 04/04/2030 | 13:14:06 | मक | नेप | मक | 14:09:58 | राहु 24/05/2036 |
| शुक्र 04/04/2031 | 21:11:05 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 22:42:54 | गुरु 05/12/2038 |

**लग्न-चलित**

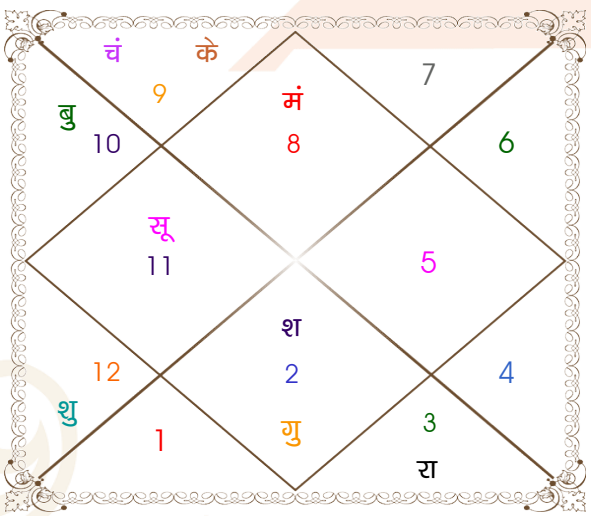


**लग्न-चलित**

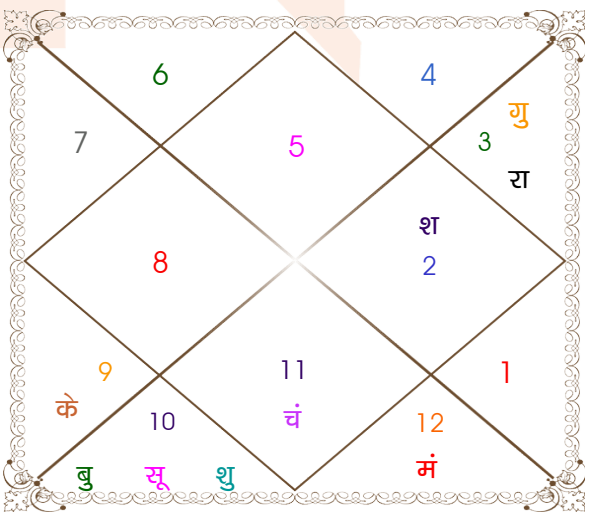


**Shri Dadaji Jyotish kendra**
Shop No 05, Sanskrit Mahavidyalaya Parisar Itarsi
8871726789
dadajiJyotishkendra@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | शूद्र | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | मानव | मानव | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | प्रत्यारि | साधक | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | श्वान | अश्व | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | गुरु | शनि | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | राक्षस | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | धनु | कुम्भ | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | आद्य | आद्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 22.50 | | |

डतण्लै का वर्ग मृग है तथा डेंैीप डपींदप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्लै और डेंैीप डपींदप का मिलान औसत है।

### मंगलीक दोष मिलान

डतण्लै मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्लै कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेंैीप डपींदप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल डेंैीप डपींदप कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु डेगैंीप डपींदप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।**
**तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु डतण्लै कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्लै तथा डेगैंीप डपींदप में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।